NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

खंड - अ

प्रश्न 1 - निम्न में से ज्ञान का कौन सा क्षेत्र पतंजलि से जुड़ा है?

(A) गणित

(B) रसायन विज्ञान

(C) भौतिक विज्ञान

(D) योग

उत्तर - (D) योग

प्रश्न 2 – निम्न में से कौन प्राचीन ईरान का धर्म था ?

(A) बौद्ध

(B) यहूदी

(C) पारसी

(D) ईसाई

उत्तर - (C) पारसी

प्रश्न 3 - निम्न में से किस वर्ष में भारत ब्रिटिश वस्तुओं का एक उत्कृष्ट ग्राहक व इंग्लैंड को कच्चे माल का आपूर्तिकर्ता बन गया था?

(A) 1713

(B) 1763

(C) 1813

(D) 1863

उत्तर - (C) 1813

प्रश्न 4 - रामचरित मानस निम्न में से किस भाषा में लिखी गयी है?

(A) मराठी

(B) अवधी

(C) गुजराती

(D) ब्रजभाषा

उत्तर - (B) अवधी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 5 - अमीर खुसरो द्वारा निम्न में से कौन-सी भाषा का प्रयोग किया गया था?

(A) खड़ीबोली

(B) पंजाबी

(C) ब्रजभाषा

(D) अवधी

उत्तर - (A) खड़ीबोली

प्रश्न 6 - एक वाक्यांश में उत्तर दीजिये

पंजाबी प्रेम कहानियों ने किस प्रकार पंजाबी भाषा की वृद्धि में योगदान किया ?

उत्तर - हीर-रांझा जैसी प्रेम कहानियों ने पंजाबी भाषा को समृद्ध और अधिक लोकप्रिय बनाया।

प्रश्न 7 - कश्मीरी साहित्य को दीनानाथ नदीम ने किस प्रकार समृद्ध किया है ?

(A) भक्ति कवितायें लिखकर

(B) डरावनी कहानियाँ लिखकर

(C) इतिहास लिखकर

(D) निबंध लिखकर

उत्तर - (A) भक्ति कवितायें लिखकर

प्रश्न 8 - जहाँगीर के शासनकाल में चित्रकला क्यों फली फूली ?

(A) वह चित्रकारों का महान संरक्षक था

(B) वह स्वयं एक महान चित्रकार था

(C) वह चित्रकला का गहन निर्णायक था

(D) यह सभी

उत्तर - (D) यह सभी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 9 - औरंगजेब के राज्यकाल में चित्रकला का पतन क्यों हुआ ?

(A) क्योंकि राजकीय संरक्षण हटा लिया गया था

(B) क्योंकि चित्रकारों ने अपनी क्षमता खो दी थी

(C) क्योंकि समर्थ चित्रकार मर गये थे

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (A) क्योंकि राजकीय संरक्षण हटा लिया गया था

प्रश्न 10 - मैत्रायणी उपनिषद के अनुसार निम्न में से किस क्रिया से सर्वोच्च ज्ञान की प्राप्ति होती है?

(A) विद्या

(B) चिंतन

(C) तपस

(D) यह सभी

उत्तर - (C) तपस

प्रश्न 11 - पाली निम्न में से किस भाषा का एक प्रकार था ?

(A) संस्कृत

(B) प्राकृत

(C) तमिल

(D) मलयालम

उत्तर - (B) प्राकृत

प्रश्न 12 - इस्लामी शिक्षा के लिये मक़तब क्यों महत्वपूर्ण थे ?

(A) उच्च शिक्षा देने के लिये

(B) माध्यमिक शिक्षा देने के लिये

(C) विद्यालयी शिक्षा

(D) यह सभी

उत्तर - (C) विद्यालयी शिक्षा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 13 - 1813 के चार्टर एक्ट में ईस्ट इन्डिया कम्पनी ने एक लाख रुपये किस कार्य के लिये रखे थे ? सही कारण का चयन कीजिये।

(A) युरोपीय साहित्य तथा विज्ञान को बढ़ावा देने के लिये

(B) भारतीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये

(C) निर्धनों और बेसहारा लोगों की मदद के लिये

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (B) भारतीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये

प्रश्न 14 - प्राचीन भारत में उपनयन संस्कार किस लिये किया जाता था ?

(A) पारिवारिक जीवन को प्रारम्भ करने के लिये

(B) शिक्षा को प्रारम्भ करने के लिये

(C) वन के प्रस्थान के लिये

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (B) शिक्षा को प्रारम्भ करने के लिये

प्रश्न 15 - अठारहवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में समाज सुधारकों ने स्त्रियों से सम्बंधित सुधारों को क्यों प्राथमिकता दी ?

(A) वहाँ पर स्त्रियों से संबंधित सुधारों की कोई आवश्यकता न थी

(B) इस तरह की माँग को समझने में आधुनिक शिक्षा की कोई भूमिका न थी

(C) भारतीय व्यवस्था स्त्रियों के लिये अच्छी थी और यह माँग रूढ़िवादियों की ओर से की गयी थी

(D) स्त्रियों की दयनीय दशा को समझने की शक्ति आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने से आई

उत्तर - (D) स्त्रियों की दयनीय दशा को समझने की शक्ति आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने से आई

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 16 - प्रसिद्ध विक्रमशीला विश्वविद्यालय निम्न में से किस नदी के किनारे पर स्थित था ?

(A) सिन्धु

(B) ब्रह्मपुत्र

(C) गंगा

(D) नर्मदा

उत्तर - (C) गंगा

प्रश्न 17 - भारतीय और चीनी विद्वान चीनी रेशम मार्गों पर यात्रा क्यों करते रहते थे ?

(A) ज्ञान की खोज में

(B) बुद्ध की शिक्षाओं के प्रसार के लिये

(C) दोनों ही

(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (C) दोनों ही

प्रश्न 18 - एक शब्द, एक नाम/एक वाक्यांश में उत्तर दीजिये।

लिखे हुये अक्षरों या मन्त्रों को जापानी भाषा में सित्तन क्यों कहते हैं?

उत्तर - क्योंकि यह संस्कृत शब्द 'सिद्धम' का जापानी उच्चारण है, जो एक लिपि है।

प्रश्न 19 - थोन्मी सम्भोट के भारत आने के सही कारण का चयन कीजिये।

(A) भारत के साथ राजनयिक संबंध सुदृढ़ करने के लिये

(B) भारतीय अर्थव्यवस्था के अध्ययन हेतु

(C) भारतीय कृषि पद्धतियों के अध्ययन हेतु

(D) बौद्ध साहित्य के अध्ययन हेतु

उत्तर - (D) बौद्ध साहित्य के अध्ययन हेतु

प्रश्न 20 - एक शब्द, एक नाम/एक वाक्यांश में उत्तर दीजिये।

वियतनाम के लोगों को 'चाम/चम' क्यों कहा जाता है ?

उत्तर - क्योंकि वे प्राचीन 'चम्पा' साम्राज्य के निवासी थे, जो भारतीय संस्कृति से प्रभावित था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड - ब

प्रश्न 21 - सही कथन पर सही (✓) तथा गलत पर (✗) चिह्न लगायें :

(a) 'संस्कृति' जीवन जीने का तरीका नहीं है।

(b) 'संस्कृति' हमारे सोचने और काम करने के तरीके का प्रतीक है।

उत्तर –

(a) गलत (✗)

(b) सही (✓)

प्रश्न 22 - सही कथन पर सही (✓) तथा गलत पर (✗) चिह्न लगायें :

(a) जब नये सांस्कृतिक गुण जुड़ते हैं तब कुछ ज्ञान, विचार और परम्परायें खो जाया करती हैं।

(b) समय के प्रवाह के साथ किसी विशेष संस्कृति के अन्दर सांस्कृतिक परिवर्तनों की संभावना होती है।

उत्तर –

(a) सही (✓)

(b) सही (✓)

प्रश्न 23 - खाली स्थान भरो :

मध्यकालीन शासकों ने कला तथा _____ के क्षेत्रों में बहुत अधिक रुचि दिखाई। _____ काल की मिश्रित साँस्कृतिक विशेषता कला एवं वास्तु कला के क्षेत्रों में स्पष्ट झलकती है।

उत्तर – वास्तुकला, मध्ययुगीन।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 24 - खाली स्थान भरो :

ईसाई _____ ईस्ट इंडिया कम्पनी के कर्मचारियों के साथ _____ कर्मकांडों के लिये भारत आये थे। ये कर्मकांड थे बपतिस्मा, विवाह, मुर्दों को दफनाना और चर्च में सेवा।

उत्तर – पुरोहित, धार्मिक।

प्रश्न 25 - दो छोटे वाक्यांशों में उत्तर दीजिये :

मध्यकाल में फारसी और उर्दू को राज्य का संरक्षण होते हुए भी हिन्दी में वृद्धि होती रहने के कोई दो कारण बताइये।

उत्तर -

(क) भक्ति संतों (जैसे कबीर, तुलसीदास) ने जन-भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग किया।

(ख) यह आम जनता की संपर्क भाषा थी।

प्रश्न 26 - दो छोटे वाक्यांशों में उत्तर दीजिये :

उन्नीसवीं शताब्दी में कश्मीर अच्छा साहित्य सृजन करने में कैसे पीछे रह गया ?

उत्तर -

(क) डोगरी शासक कश्मीरी की अपेक्षा डोगरी भाषा में अधिक रुचि लेते थे।

(ख) न तो वहाँ कोई विद्यालय था, और न ही शिक्षा की व्यवस्था थी।

प्रश्न 27 - दो छोटे वाक्यांशों में उत्तर दीजिये :

भारतीय भाषाओं के विकास में ईसाई धर्म प्रचारकों की क्या भूमिका थी? कोई दो बिंदु लिखो।

उत्तर –

(क) उन्होंने शब्दकोशों और व्याकरण की पुस्तकों को विभिन्न स्थानीय भाषाओं में प्रकाशित करवाया।

(ख) ईसाई धर्म प्रचारकों द्वारा स्कूल और कॉलेजों की स्थापना की गई।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 28 - (i) सर सैय्यद अहमद खान ने मुसलमानों को व्यापक सोच और सहिष्णु होने के लिए क्यों कहा?

(a) उन्हें आधुनिक विश्व में समायोजित होने में समक्ष बनाने के लिये

(b) उन्हें आधुनिक शिक्षा को स्वीकार करने में सक्षम बनाने के लिये

(c) उन्हें अपने विकास के लिये कार्य करने में सक्षम बनाने के लिये

(d) यह सभी

उत्तर - (d) यह सभी

(ii) सर सैय्यद अहमद खान ने अलीगढ़ में मुहम्मडन एन्गलो ओरियन्टल कॉलेज क्यों खोला था ?

(a) मुसलमानों को आधुनिक शिक्षा देने के लिये

(b) केवल धार्मिक पुस्तकें पढ़ाने के लिये

(c) परम्परागत कारीगर तैयार करने के लिये

(d) केवल धार्मिक उपदेशक बनाने के लिये

उत्तर - (a) मुसलमानों को आधुनिक शिक्षा देने के लिये

प्रश्न 29 - खाली स्थान भरिये :

_____ में धार्मिक सुधार उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में मुम्बई में प्रारम्भ हुए। 1851 में _____ मजदायासान सभा या धार्मिक सुधार संघ की स्थापना नौरोजी फ़र्दोन्जी, दादाभाई नौरोजी तथा एस एस बंगाली व अन्य के द्वारा की गयी।

उत्तर – पारसियों, रहनुमाई।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 30 - दो छोटे वाक्यांशों में उत्तर दीजिये :

पटचित्रों की कोई दो विशेषताएं संक्षेप में लिखिये।

उत्तर – पटचित्रों की कोई दो विशेषताएं :

(क) पटचित्र अधिकतर कपड़ों पर ही बनाए जाते है।

(ख) ये चित्र अधिक रंगीन और हिन्दू देवी-देवताओं से संबद्ध कथाओं को दर्शाते हैं।

प्रश्न 31 - स्तंभ-अ में दिये गये दो नामों को स्तंभ-ब में दिये गये उनके सही जोड़ों से मिलाइये।

दोनों स्तंभों में बचे हुए दो नाम जोडीदार, विकर्षक हैं।

स्तंभ-अ	**स्तंभ-ब**
गणित कौमुदी	फ़ैजी
लीलावती व्याख्या	हंसदेव
मृगपक्षिशास्त्र	नारायण पण्डित
तुजुक-ए-जहाँगीरी	चरक

उत्तर –

(क) गणित कौमुदी — नारायण पण्डित

(ख) मृग-पक्षी शास्त्र — हंसदेव

अन्य दो :

(क) लीलावती व्याख्या — गंगाधर

(ख) तुजुक-ए-जहाँगीरी — जहांगीर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 32 - खाली स्थान भरो :

_____ में शिक्षा एक व्यक्तिगत रुचि का विषय थी। शिक्षा का उद्देश्य शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना था। छात्र की अत्मोन्नति, आत्मतुष्टि एवं स्वयंपूर्ति के रूप में _____ के इस दृष्टिकोण से अपनी तकनीक, नियम और प्रणाली बनाये गये।

उत्तर – प्राचीन भारत , शिक्षा।

प्रश्न 33 - गुप्त काल में बौद्ध विहारों के रख-रखाव के लिये आवश्यक अनुदान प्रदान करने वाले कोई दो स्रोतों के नाम लिखिये।

उत्तर – गुप्त काल में बौद्ध विहारों को अनुदान देने वाले दो स्रोत :

(क) राजाओं द्वारा दी गई भूमि।
(ख) धनी व्यापारियों और श्रेणियों द्वारा दिया गया दान

प्रश्न 34 - सही कथन पर सही (✓) तथा गलत पर (✗) चिह्न लगायें: :

(a) धर्मशास्त्रों तथा स्मृतियों ने प्रत्येक जाति के कर्तव्यों को निर्धारित करने का प्रयास किया।

(b) जातियों के अन्दर संबंध सामान्यतः संगोत्र विवाहों, सहभोज तथा शिल्पकर्म की विशिष्टता पर आधारित नहीं थे।

उत्तर –

(a) सही (✓)
(b) गलत (✗)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 35 - चीन में सम्राट मिंग ती का शासन काल बौद्ध धर्म की अभिवृद्धि के लिये क्यों महत्वपूर्ण था ? कोई दो संक्षिप्त कारण बताइये।

उत्तर - दो कारण इस प्रकार हैं :

(a) उनके निमंत्रण पर ही दो महान भारतीय आचार्य-धर्मरक्षित और कश्यप मातंग-सन् 67 ई. में चीन गए थे।

(b) इन्हीं आचार्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और बौद्ध धर्म ने सर्वप्रथम चीन में प्रवेश किया, जिससे वहां धर्म और संस्कृति के आदान-प्रदान की नींव पड़ी।

खंड – स

प्रश्न 36 - उन दो कार्यों का उल्लेख कीजिये जिन्हें मुसलमानों ने भारत आने पर स्वयं को इस देश में समायोजित करने के लिये किया।

उत्तर - मुसलमानों ने भारत में स्वयं को समायोजित करने के लिए मुख्य रूप से ये दो कार्य किए :-

1. **वैवाहिक संबंध:** उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ अंतरजातीय विवाह किए और वैवाहिक गठबंधन स्थापित किए ।
2. **संस्कृति को अपनाना:** उन्होंने भारतीय संस्कृति को अपनाया और स्थानीय लोगों के साथ सद्भाव से रहने के लिए उनके विचारों और रीति-रिवाजों को स्वीकार किया ।

प्रश्न 37 - सूफ़ियों के धार्मिक विश्वासों का परीक्षण कीजिये।

उत्तर - सूफ़ी रहस्यवादी थे जो इस्लाम में उदारवाद और 'वहदत-उल-वजूद' (सभी जीवों की एकता) में विश्वास करते थे । उन्होंने धर्म को 'ईश्वर के प्रति प्रेम' और 'मानवता की सेवा' के रूप में परिभाषित किया । वे औपचारिक पूजा, कट्टरता और बाहरी दिखावे के विरोधी थे ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 38 - भारत के विकास में उच्च शिक्षा के महत्व की व्याख्या कीजिये। कोई दो बिंदु लिखिए।

उत्तर – भारत के विकास में उच्च शिक्षा के महत्त्व के दो बिंदु निम्नलिखित हैं :-

1. पं. जवाहरलाल नेहरू के अनुसार, यदि विश्वविद्यालय सुचारु रूप से चलते रहें तो देश का भविष्य सुरक्षित रहता है और आधुनिकीकरण होता है ।
2. तकनीकी रूप से प्रशिक्षित व्यक्तियों के माध्यम से यह देश के वैज्ञानिक और औद्योगिक विकास में शक्ति का स्रोत रही है ।

अथवा

भारत में उच्च शिक्षा के सन्मुख कोई दो चुनौतियों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - भारत में उच्च शिक्षा की दो मुख्य चुनौतियाँ हैं :-

1. **कम नामांकन :** उच्च शिक्षा में 18 से 20 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों, विशेषकर महिलाओं और अनुसूचित जातियों/जनजातियों की संख्या अत्यंत कम है ।
2. **असमानता :** ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे स्तर की शिक्षा का अभाव है और विभिन्न कॉलेजों में सुविधाओं के स्तर में भारी अंतर मौजूद है।

प्रश्न 39 - भारत में उच्च शिक्षा के प्रसार में शिक्षा के अधिकार का नियम किस प्रकार सहायता करता है?

उत्तर – शिक्षा का अधिकार अधिनियम 6 से 14 वर्ष आयु के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करता है। इससे अधिक विद्यार्थी विद्यालयी शिक्षा पूरी कर 18–20 वर्ष की आयु में उच्च शिक्षा के योग्य बनते हैं, जिससे उच्च शिक्षा के प्रसार और सामाजिक समावेशन में सहायता मिलती है।

अथवा

परीक्षण कीजिये कि शिक्षा के अधिकार का नियम किस प्रकार विद्यालय प्रबंधन या स्थानीय अधिकारियों की सहायता से लागू किया जा सकता है ?

उत्तर - शिक्षा का अधिकार अधिनियम को विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। वे नामांकन सुनिश्चित करें, उपस्थिति पर निगरानी रखें, आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराएँ, ड्रॉप-आउट रोकें तथा वंचित बच्चों की पहचान कर समय पर सहायता प्रदान करें।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 40 - प्राचीन भारतीय समाज में अस्पृश्यता के प्रारम्भ की व्याख्या कीजिये।

उत्तर – वैदिक काल में समाज चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) में विभाजित हो गया था। यह विभाजन समय के साथ वंशानुगत और अत्यंत कठोर हो गया। शूद्रों (कारीगरों और मजदूरों) को निम्न स्थान मिला और व्यवसाय बदलना कठिन हो गया। इसी कठोर जाति व्यवस्था ने समाज में भेदभाव और अस्पृश्यता की नींव रखी।

अथवा

आधुनिक काल में अस्पृश्यता उन्मूलन के लिये किये गये प्रयासों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - आधुनिक काल में महात्मा गांधी ने अछूतों को 'हरिजन' कहा और उन्हें मंदिरों में प्रवेश दिलाने के लिए संघर्ष किया, जबकि बी.आर. अंबेडकर ने उनके लिए स्कूल-कॉलेज खोले । ज्योतिबा फुले ने 'सत्य शोधक समाज' के जरिए सामाजिक न्याय की मांग की । अंततः, स्वतंत्र भारत के संविधान ने अस्पृश्यता को एक दंडनीय अपराध घोषित किया ।

खंड – द

प्रश्न 41 - कोई तीन कार्यों की व्याख्या कीजिये जिनके द्वारा राजा राममोहन राय स्त्रियों की दशा सुधारना चाहते थे ?

उत्तर – राजा राममोहन राय द्वारा स्त्रियों की दशा सुधारने के तीन कार्य :-

1. **सती प्रथा का विरोध :** उन्होंने सती प्रथा के खिलाफ कड़ी लड़ाई लड़ी और अंततः कानूनन इसे बंद करवाया।
2. **धार्मिक किताबों का प्रमाण :** उन्होंने धार्मिक ग्रंथों का हवाला देकर साबित किया कि महिलाओं को दुख देने वाली इन प्रथाओं को धर्म की कोई मंजूरी नहीं मिली है ।
3. **समानता का संदेश :** उन्होंने समाज में तर्क और समानता का संदेश फैलाया, जिससे महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को कम करने में मदद मिली ।

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उन तीन सामाजिक कुरीतियों की व्याख्या कीजिये जिन्हें ब्रह्मो समाज समाप्त करना चाहता था।

उत्तर - तीन सामाजिक बुराइयाँ जिन्हें 'ब्रह्मो समाज' खत्म करना चाहता था :-

1. **सती प्रथा :** इस समाज का सबसे प्रमुख लक्ष्य सती प्रथा जैसी अमानवीय कुप्रथा को समाज से मिटाना था।
2. **मूर्ति पूजा :** ब्रह्मो समाज के अनुयायी मूर्ति पूजा के सख्त खिलाफ थे और इसे खत्म करना चाहते थे।
3. **कर्मकांड और बहुदेववाद :** वे बेकार के रीति-रिवाजों (कर्मकांडों) और बहुत सारे देवी-देवताओं की पूजा (बहुदेववाद) को समाप्त कर, केवल 'एक ईश्वर' की पूजा में विश्वास रखते थे ।

प्रश्न 42 - लोक संगीत हमारी विरासत का एक महत्वपूर्ण भाग क्यों है? तीन कारण बताइये।

उत्तर – लोक संगीत हमारी विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इसलिए है क्योंकि :-

1. **जनमानस की भावनाएँ :** यह आम जनता की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इसके सरल गीत जीवन के हर घटनाक्रम जैसे त्योहारों, ऋतुओं के आगमन, विवाह या बच्चे के जन्म को चिह्नित करने के लिए रचे जाते हैं ।
2. **ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व :** लोक गीतों के विशेष अर्थ होते हैं और वे अक्सर ऐतिहासिक घटनाओं और महत्वपूर्ण अनुष्ठानों का वर्णन करते हैं ।
3. **व्यापक लोकप्रियता :** यह पूरे भारत में लोकप्रिय है, जैसे राजस्थान का मांड, बंगाल का भटियाली और हरियाणा की रागिनी, जो सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हैं ।

प्रश्न 43 - उन तीन देशों/क्षेत्रों के नाम लिखिये जिनसे मध्यकाल में विद्वजन भारतीय मदरसों में पढ़ाने के लिये बुलाये जाते थे।

उत्तर – मध्यकाल में भारतीय शिक्षा प्रणाली पर बाहरी क्षेत्रों का गहरा प्रभाव था और विद्वानों का आदान-प्रदान होता था। इस संदर्भ में निम्नलिखित तीन प्रमुख क्षेत्रों/देशों का उल्लेख किया गया है :-

1. समरकन्द
2. बुखारा
3. ईराक

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 44 - जीवन साथी की संख्या पर आधारित तीन प्रकार के विवाहों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - जीवनसाथी की संख्या के आधार पर विवाह तीन प्रकार के होते हैं :-

1. **एकविवाह :** इसमें एक व्यक्ति एक समय में केवल एक ही व्यक्ति से विवाह करता है। यह समाज में सबसे सामान्य रूप है ।
2. **बहुपत्नी विवाह :** इसमें एक पुरुष की एक से अधिक पत्नियाँ होती हैं। प्राचीन काल में धनी और शक्तिशाली लोग राजनीतिक गठबंधन या पुत्र प्राप्ति के लिए ऐसा करते थे ।
3. **बहुपति विवाह :** इसमें एक महिला के एक से अधिक पति होते हैं (जैसे द्रौपदी)। इसमें अक्सर महिला भाइयों के समूह से विवाह करती है ।

अथवा

भारत के हिन्दुओं में माता-पिता के द्वारा तय किये गये विवाह के लिये पूर्व शर्तों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - पारंपरिक रूप से माता-पिता द्वारा तय किए गए विवाहों के लिए मुख्य शर्तें निम्नलिखित थीं :-

1. **समान जाति :** माता-पिता आमतौर पर वर और वधू का चयन अपनी ही जाति के भीतर से करते थे ।
2. **गोत्र और प्रवर :** उच्च जाति (द्विज) के लोग शादी करते समय यह ध्यान रखते थे कि वर और वधू का गोत्र और प्रवर अलग हो। प्रवर के नियम के अनुसार, पिता की ओर सात पीढ़ियों और माता की ओर पांच पीढ़ियों तक के अपने-रक्त संबंधियों से शादी नहीं की जा सकती थी।
3. **कुंडली/ज्योतिष :** माता-पिता अक्सर विवाह तय करने से पहले वर और वधू की जन्म कुंडली और गुणों का मिलान करते हैं।

प्रश्न 45 - विभिन्न कालों में भारत के समुद्र में जाने वाले नाविकों का विविरण लिखिये।

उत्तर – प्राचीन काल से ही भारतीय नाविक साहसी और कुशल थे। उनका विवरण इस प्रकार है :

1. **हड़प्पा काल :** सबसे शुरुआती प्रमाण हड़प्पा काल में मिलते हैं, जब भारतीय नाविक समुद्र के रास्ते मेसोपोटामिया तक जाते थे और उनके साथ गहरे व्यापारिक संबंध स्थापित किए थे ।
2. **मौर्य काल :** मौर्य काल के दौरान नाविकों ने तकनीक का सहारा लिया। वे दिशाओं को जानने के लिए नक्षत्रों (खगोल विज्ञान) का अध्ययन करते थे, जिससे लंबी समुद्री यात्राओं में उन्हें बहुत सहायता मिलती थी ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **चोल साम्राज्य :** दक्षिण भारत में चोल शासकों ने एक अत्यंत शक्तिशाली नौसेना तैयार की थी। इसी के बल पर उनके नाविकों ने सुदूर इंडोनेशियाई द्वीपों तक विजय प्राप्त की और वहाँ भारतीय संस्कृति का प्रसार किया।

अथवा

भारत के प्राचीन काल में दूरस्थ देशों से सम्पर्क का विवरण लिखिये।

उत्तर – प्राचीन भारत का संपर्क विश्व के कई महान देशों के साथ था, जिसे हम तीन मुख्य रूपों में देख सकते हैं:

1. **प्रारंभिक व्यापारिक संपर्क:** सिंधु घाटी सभ्यता के समय से ही भारत के लोग मेसोपोटामिया के साथ समुद्री व्यापार करते थे । इसके अलावा, प्राचीन काल में रोम साम्राज्य के साथ भी भारत के समृद्ध व्यापारिक रिश्ते थे ।

2. **साम्राज्य और कूटनीतिक संबंध:** मौर्य और गुप्त काल के दौरान भारत ने चीन, मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ गहरे सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंध बनाए रखे ।

3. **धर्म और संस्कृति का प्रसार:** बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत का संपर्क श्रीलंका, जापान और कोरिया जैसे देशों से हुआ, जहाँ भारतीय संस्कृति और विचारों का आदान-प्रदान हुआ ।

खंड – ई

प्रश्न 46 - 'संस्कृति' की अवधारणा का वर्णन कीजिये।

उत्तर - 'संस्कृति' शब्द लैटिन शब्द 'cult' या 'cultus' से लिया गया है, जिसका मतलब है पालन-पोषण या परिष्कृत करना। संस्कृत में इसे संस्कृति कहते हैं, जो 'कृ' धातु से बना है, मतलब किसी चीज़ को इतना सुधारना कि वह प्रशंसा के योग्य हो जाए।

संस्कृति का अर्थ बहुत व्यापक है :

1. **जीवन जीने का तरीका:** संस्कृति जीवन जीने का ढंग है। इसमें हमारा खाना, कपड़े, भाषा, धर्म, व्यवहार और रीति-रिवाज शामिल हैं। यह हमारे सोचने और काम करने का तरीका दिखाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

2. **मानव-निर्मित परिवेश:** यह वह वातावरण है जो मनुष्य ने बनाया है, जिसमें भौतिक (खाना, कपड़े) और अभौतिक (विचार, आदर्श, विश्वास) उत्पाद शामिल हैं, और पीढ़ी दर पीढ़ी पास होते हैं।
3. **सीखा हुआ व्यवहार:** संस्कृति जन्मजात नहीं होती, बल्कि परिवार और समाज से सीखकर अर्जित की जाती है।
4. **परिवर्तनशीलता:** संस्कृति स्थिर नहीं रहती। समय के साथ इसमें नए विचार और तकनीकें जुड़ती रहती हैं, और यह बदलती रहती है।

प्रश्न 47 - मध्यकाल में संगीत के विकास का परीक्षण कीजिये।

उत्तर - मध्यकाल भारतीय संगीत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दौर था, जहाँ संगीत का अभूतपूर्व विकास हुआ। इस काल में संगीत के विकास के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं :-

1. **दो परंपराओं का उदय :** इस काल में भारतीय शास्त्रीय संगीत स्पष्ट रूप से दो धाराओं में विभाजित हो गया, उत्तर भारत में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत और दक्षिण भारत में कर्नाटक संगीत ।
2. **अमीर खुसरो का योगदान :** दिल्ली सल्तनत के दौरान अमीर खुसरो ने संगीत के विकास में बड़ी भूमिका निभाई। उन्हें सितार और तबला के आविष्कार और कई नए रागों को पेश करने का श्रेय दिया जाता है ।
3. **भक्ति और सूफी आंदोलन :** सूफी संतों ने खानकाहों में कव्वाली और भक्ति संतों (जैसे कबीर, मीराबाई, सूरदास, तुलसीदास) ने कीर्तन और भजन के माध्यम से संगीत को लोकप्रिय बनाया ।
4. **मुगल संरक्षण और तानसेन :** मुगल शासक संगीत के महान संरक्षक थे। अकबर के नवरत्नों में शामिल तानसेन इस काल के सर्वश्रेष्ठ संगीतकार थे। उन्होंने 'मेघ राग' जैसी रचनाएँ कीं। ध्रुपद, धमार और ख्याल जैसी शैलियों का विकास इसी समय हुआ ।
5. **घराना व्यवस्था:** संगीत की विशिष्ट शैलियों को गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से संरक्षित करने के लिए 'घराना' व्यवस्था की शुरुआत हुई (जैसे ग्वालियर और जयपुर घराना)।

प्रश्न 48 - स्वामी रामकृष्ण परमहन्स के जीवन तथा कार्यों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर - स्वामी रामकृष्ण परमहंस आधुनिक भारत के महान संतों में से एक थे। उनके जीवन और कार्यों को निम्नलिखित 5 बिंदुओं में समझा जा सकता है :-

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

1. **प्रारंभिक जीवन और ईश्वर भक्ति:** उनका जन्म 1836 में एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में हुआ था । उनकी औपचारिक शिक्षा बहुत कम थी, लेकिन उन्होंने अपना पूरा जीवन ईश्वर की साधना और भक्ति में समर्पित कर दिया ।

2. **सर्वधर्म समभाव का संदेश:** उनका दृढ़ विश्वास था कि ईश्वर तक पहुँचने के रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है । उन्होंने सभी धर्मों की एकता पर बल दिया और सांप्रदायिकता का विरोध किया।

3. **मानव सेवा ही ईश्वर सेवा:** उनका सबसे प्रमुख संदेश था 'जीवे शिव' यानी 'मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है'। उन्होंने मानवता में दिव्यता को पहचाना और मोक्ष प्राप्ति के लिए दीन-दुखियों की सेवा को अनिवार्य बताया ।

4. **स्वामी विवेकानंद का मार्गदर्शन:** उनके सबसे महान कार्यों में से एक था उनके शिष्य नरेंद्र नाथ दत्त (स्वामी विवेकानंद) को तैयार करना । विवेकानंद ने ही उनके संदेशों को पूरी दुनिया में फैलाया ।

5. **संस्थागत विरासत (रामकृष्ण मिशन):** उनके आदर्शों 'दरिद्र नारायण की सेवा' को व्यावहारिक रूप देने के लिए स्वामी विवेकानंद ने 1897 में 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की, जो आज भी शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत है ।

प्रश्न 49 - प्राचीन भारत में नाटक के उद्भव तथा विकास की विवेचना कीजिये।

उत्तर - प्राचीन भारत में नाटक की परंपरा अत्यंत समृद्ध और पुरानी है। इसके विकास के प्रमुख चरण इस प्रकार हैं :-

1. **वैदिक और पौराणिक मूल:** भारतीय नाटक का उद्भव वेदों से माना जाता है, जहाँ संवाद सूक्तों में इसके प्रारंभिक संकेत मिलते हैं । रामायण और कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी नाटक मंडलियों का उल्लेख मिलता है ।

2. **भरत मुनि का नाट्यशास्त्र:** नाटक का विधिवत और वैज्ञानिक विकास भरत मुनि के 'नाट्यशास्त्र' से हुआ। इसे 'पंचम वेद' भी कहा जाता है और यह नाटक कला का सबसे प्रामाणिक ग्रंथ है।

3. **प्रारंभिक नाटककार और समुदाय:** दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में पतंजलि ने 'कंसवध' जैसे नाटकों का उल्लेख किया। उस समय 'शैलूष' जैसी पेशेवर नाटक कंपनियाँ और 'कुशीलव' जैसे गायक इसे जन-जन तक पहुँचाते थे।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

4. **महाकवि भास का योगदान:** महाकवि भास ने रामायण और महाभारत पर आधारित 'स्वप्नवासवदत्ता' जैसे 13 प्रसिद्ध नाटक लिखे, जिन्होंने भारतीय नाट्य कला को एक ठोस आधार दिया।

5. **कालिदास और स्वर्ण युग:** गुप्त काल में कालिदास के 'अभिज्ञानशाकुंतलम' जैसे नाटकों ने इस कला को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाया। उस समय नाटकों में संस्कृत और प्राकृत दोनों भाषाओं का प्रयोग सामाजिक स्थिति के अनुसार किया जाता था।

अथवा

भारत के वर्णन के अनुसार वृतांत नाटक की विवेचना कीजिये।

उत्तर - भरत मुनि ने अपने ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' में नाटक का विस्तृत और वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया है :-

1. **संचार का माध्यम:** भरत मुनि के अनुसार नाटक केवल मनोरंजन नहीं बल्कि जन-शिक्षा और संचार का एक आदर्श माध्यम है।

2. **नाटक के अंग:** उन्होंने नाटक के अंगों में नट-नटी (कलाकार), संगीत, नृत्य, संवाद और विषय-वस्तु के उचित समन्वय पर जोर दिया।

3. **प्रेक्षागृह (थिएटर) की अवधारणा:** उन्होंने नाटकों के सफल मंचन के लिए एक विशेष बंद स्थान या 'प्रेक्षागृह' का विवरण दिया, जहाँ दर्शकों के बैठने और ध्वनि की उचित व्यवस्था हो ।

4. **रस सिद्धांत:** भरत मुनि ने 'रस' की अवधारणा दी, जिसमें अभिनय के माध्यम से विभिन्न भावनाओं को दर्शकों तक पहुँचाने का शास्त्रीय तरीका बताया गया है ।

5. **व्यवस्थित शास्त्र:** उनके अनुसार नाटक एक व्यवस्थित शास्त्र है। उन्होंने स्वयं 'असुर पराजय' जैसे नाटकों की रचना कर इसे व्यावहारिक रूप में प्रदर्शित किया ।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 50 - प्रारम्भ से भारत के राष्ट्रपति पद तक की लम्बी दूरी डॉक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने किस प्रकार तय की थी ?

उत्तर - डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। डॉ. कलाम की यात्रा एक साधारण बालक से देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचने की प्रेरणादायक कहानी है :-

1. **साधारण शुरुआत और शिक्षा:** तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे कलाम ने संघर्षों के बीच अपनी शिक्षा पूरी की । उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की डिग्री ली ।
2. **अंतरिक्ष में सफलता (ISRO):** 1963 में इसरो (ISRO) से जुड़कर उन्होंने भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान (SLV-3) का सफलतापूर्वक विकास किया, जिससे भारत अंतरिक्ष क्लब में शामिल हुआ ।
3. **रक्षा क्षेत्र में क्रांति (DRDO):** 1982 में DRDO के निदेशक के रूप में उन्होंने 'एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम' (IGMDP) का नेतृत्व किया और भारत को मिसाइल शक्ति बनाया ।
4. **सर्वोच्च नागरिक सम्मान:** विज्ञान और देश की सेवा के लिए उन्हें 1997 में भारत के सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया ।
5. **जनता के राष्ट्रपति:** अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों और बेदाग छवि के कारण वे 2002 में भारत के 11वें राष्ट्रपति बने । उन्हें आज भी 'जनता का राष्ट्रपति' (People's President) कहा जाता है।

अथवा

भारत को प्रतिरक्षा तथा अन्तरिक्ष के क्षेत्रों में सबल बनाने में डॉक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की भूमिका का परीक्षण कीजिये।

उत्तर - भारत को अंतरिक्ष और प्रतिरक्षा क्षेत्रों में शक्तिशाली बनाने में डॉ. कलाम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है :-

1. **ISRO और SLV-3:** डॉ. कलाम ने भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान का नेतृत्व किया, जिसने 'रोहिणी' उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया।
2. **मिसाइल मैन की उपाधि:** उन्होंने IGMDP कार्यक्रम के तहत पाँच महत्वपूर्ण मिसाइलें- पृथ्वी, त्रिशूल, आकाश, नाग और 'अग्नि' विकसित कीं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

3. **अग्नि मिसाइल का गौरव:** 'अग्नि' मिसाइल के सफल परीक्षण ने भारत को दुनिया के उन चुनिंदा देशों में खड़ा कर दिया जिनके पास लंबी दूरी की मारक क्षमता है।

4. **प्रतिरक्षा में आत्मनिर्भरता:** उनके प्रयासों से भारत रक्षा के क्षेत्र में विदेशों पर निर्भरता कम कर आत्मनिर्भर बना।

5. **तकनीकी विजन:** उन्होंने न केवल मिसाइलें बनाईं बल्कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 'विज़न 2020' जैसा रोडमैप भी दिया।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success